NBT
नवभारत टाइम्स

पानी के नीचे मेट्रो और देश में बन गया यह रेकॉर्ड, जानिए कोलकाता में किस कंपनी ने किया कमाल

Curated by दिल प्रकाश | नवभारतटाइम्स.कॉम | 6 Mar 2024, 11:56 am

Shapoorji Pallonji Group: पीएम नरेंद्र मोदी ने आज कोलकाता मेट्रो के एक स्ट्रेच का उद्घाटन किया। इस स्ट्रेच पर देश में पहली बार नदी के नीचे मेट्रो सुरंग बनाई गई है। इतना ही नहीं, देश का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन और मेट्रो वेंटिलेशन शाफ्ट भी इसी लाइन पर बनाया गया है। इसका निर्माण शापूरजी पलौंजी ग्रुप की कंपनी अफकॉन्स ने किया है। इस कंपनी ने देश-विदेश में कई शानदार प्रोजेक्ट बनाए हैं। जानिए इस कंपनी के बारे में...

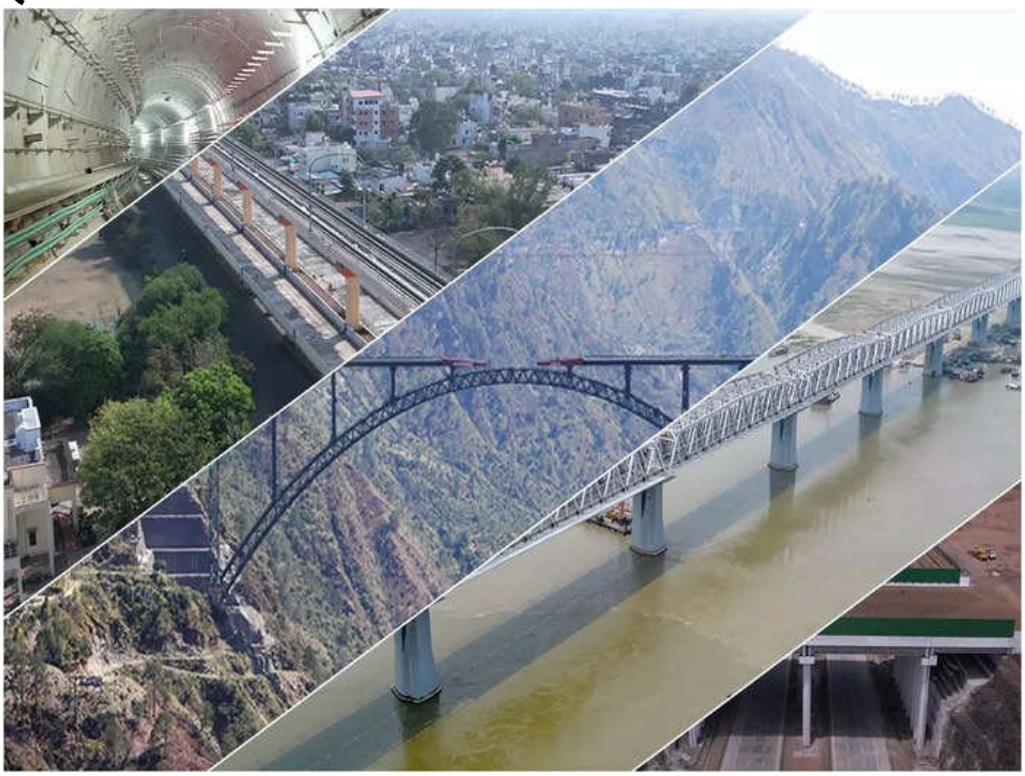

पानी के नीचे मेट्रो और देश में बन गया यह रेकॉर्ड, जानिए कोलकाता में किस कंपनी ने किया कमाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो का उद्घाटन किया। कोलकाता मेट्रो की ईस्ट-वेस्ट लाइन पर हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड स्ट्रेच पर देश में पहली बार नदी के नीचे सुरंग बनाई गई है। कोलकाता मेट्रो में सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन और सबसे गहरा मेट्रो वेंटिलेशन शाफ्ट भी बनाया गया है। इस लाइन का निर्माण कंस्ट्रक्शन सेक्टर की दिग्गज कंपनी अफकॉन्स ने किया है। यह कंपनी 159 साल पुराने शापूरजी पलौंजी ग्रुप का हिस्सा है। इस कंपनी ने देश विदेश में कई शानदार प्रोजेक्ट बनाए हैं। यूएई के अबू धाबी में अक्षरधाम मंदिर भी इसी ग्रुप ने बनाया था जिसका हाल में मोदी ने उद्घाटन किया था। एक नजर इस ग्रुप के बारे में...

शापूरजी पलौंजी ग्रुप

इस ग्रुप की स्थापना 1865 में पलौंजी मिस्त्री ने की थी। आज इसमें 15 कंपनियां शामिल हैं। इनमें एसपी इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन, फोर्ब्स एंड कंपनी और अफकॉन्स इन्फ्रा शामिल हैं। ग्रुप का बिजनस इंजीनियरिंग, कंस्ट्रक्शन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट्स, एनर्जी, वॉटर, फाइनेंशियल सर्विसेज, हॉस्पिटैलिटी, रियल एस्टेट तक फैला है। इस ग्रुप की टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 18.4% हिस्सेदारी है। इस ग्रुप का बिजनस 40 से अधिक देशों में फैला है और इसमें 35,000 से अधिक लोग काम करते हैं।

एसपी इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन

यह शापूरजी पलौंजी एंड कंपनी की डिवीजन है। यह देश की पहली ISO 9001-2000 सर्टिफाइड कंस्ट्रक्शन कंपनी है। साथ ही यह विदेश में कोई प्रोजेक्ट हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी थी। इस कंपनी ने देश में कई हॉस्पिटल्स, होटल, संस्थान और ऑफिस बिल्डिंग्स बनाई हैं। इनमें गुजरात में मारुति और फोर्ड की फैक्ट्री, मुंबई में ताज महल पैलेस होटल का टावर विंग, ब्रेबोर्न स्टेडियम, पुणे का एमसीए स्टेडियम, कर्तव्य पथ और सेंट्रल विस्टा एवेन्यू शामिल है।

अफकॉन्स इंटरनेशनल

यह देश की टॉप इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन कंपनियों में शामिल है। कंपनी ने एशिया, अफ्रीका और मिडिल ईस्ट के 25 से अधिक देशों में कई चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। 1959 से यह कंपनी 350 से अधिक इन्फ्रा प्रोजेक्ट पूरा कर चुकी है। यह मरीन, एलएनजी और मेट्रो रेल सेगमेंट में देश में लीडर है। कंपनी ने देश में महात्मा गांधी सेतु, नागपुर मेट्रो, कानपुर मेट्रो, अटल टनल, चिनाब रेलवे ब्रिज, मुबंई-नागपुर एक्सप्रेसवे के दो खंड, कोलकाता की ईस्ट-वेस्ट मेट्रो और जम्मू-उधमपुर हाइवे शामिल है। चेनाब रेलवे ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है जो इंजीनियरिंग का नमूना है।

एसपी रियल एस्टेट

यह देश में रियल एस्टेट सेक्टर की दिग्गज कंपनी है। कंपनी देश में 13 मिलियन स्क्वायर फीट से अधिक रेजिडेंशियल और छह मिलियन स्क्वायर फीट से अधिक कमर्शियल प्रॉपर्टीज डेवलप कर चुकी है। कंपनी ने मुंबई, पुणे, गुरुग्राम, बेंगलुरु, ठाणे और कोलकाता में कई प्रोजेक्ट बनाए हैं। कमर्शियल सेगमेंट में कंपनी ने एसपी इन्फोसिटी डेवलप की है जो एक मल्टी-सिटी टेक पार्क है। इसी तरह कंपनी ने कोलकाता में मास हाउसिंग स्पेस Shukhobrishti बनाई है जो देश का सबसे बड़ा मास हाउसिंग प्रोजेक्ट है।

कोलकाता मेट्रो

कोलकाता मेट्रो में आज खोले गए स्ट्रेच में कई कीर्तिमान बनाए गए हैं। देश में पहली बार नदी के नीचे मेट्रो की सुरंग बनाई गई है। 520 मीटर लंबी इस टनल को रेकॉर्ड 67 दिन में बनाया गया है। साथ ही देश की सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन भी इसी लाइन पर बनाया गया है। इसका सबसे गहरा डायफ्राम वॉल 55 मीटर की गहराई पर है। साथ ही इस लाइन में देश का सबसे गहरा वेंटिलेशन शाफ्ट भी है। इसकी गहराई 44 मीटर है जो 15 मंजिल इमारत के बराबर है। इसके निर्माण में दो साल का समय लगा।

अबू धाबी का अक्षरधाम मंदिर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में यूएई के अबू धाबी में अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन किया। यह किसी अरब देश में बनाया गया पहला हिंदू मंदिर है। इस मंदिर को बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था ने बनवाया है। कुल 27 एकड़ में बने इस मंदिर को बनाने में करीब छह साल का समय लगा और इस पर करीब 700 करोड़ रुपये खर्च हुए। इस मंदिर का कंस्ट्रक्शन शापूरजी पलौंजी ने किया है।